bharatkhand

न्यूज़लेटर

भरतखंड किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड कंसोर्टियम

सामूहिक शक्ति। सतत विकास। समृद्ध किसान।

मई 2026

सहयोगी संस्था Solidaridad

संपादकीय संदेश

प्रिय साथियों,

भरतखंड न्यूज़लेटर में आपका स्वागत है।

हर मौसम भारत के किसान समुदाय के लिए नई चुनौतियाँ, नई सीख और नए अवसर लेकर आता है। गांवों, खेतों, मंडियों और संस्थानों के बीच एक बात लगातार स्पष्ट होती जा रही है कि सतत कृषि तभी सफल हो सकती है जब किसान नवाचार और बाजार दोनों के केंद्र में हों। यह संस्करण उसी यात्रा को दर्शाता है।

राजस्थान में जहां सरसों किसान सामूहिक विपणन और प्रत्यक्ष खरीद प्रणाली के माध्यम से बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं, वहीं आगर मालवा में एक युवा किसान ने आर्थिक नुकसान को अवसर में बदलते हुए संतरे के सफल व्यवसाय की स्थापना की, जो अब महानगरों के बाजारों तक पहुंच चुका है। ये केवल सफलता की कहानियां नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण भारत में उभर रहे आत्मविश्वास, उद्यमिता और दृढ़ संकल्प के प्रतीक हैं।

यह न्यूज़लेटर कृषि के भविष्य को आकार देने वाले महत्वपूर्ण सहयोग और संवाद को भी उजागर करता है। IIT Indore, ICAR, KVK Dewas, सरकारी विभागों, निजी क्षेत्र के भागीदारों और एग्री-टेक नवाचारकों के साथ सहभागिता यह दर्शाती है कि किसान-केंद्रित कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में समन्वय कितना महत्वपूर्ण है। चाहे विषय प्राकृतिक खेती का हो, सतत आपूर्ति श्रृंखला का, डिजिटल कृषि का या बाजार से जुड़ी मूल्य श्रृंखलाओं का, दीर्घकालिक परिवर्तन के लिए विभिन्न हितधारकों का सामूहिक प्रयास आवश्यक बनता जा रहा है।

भरतखंड में हमारा दृढ़ विश्वास है कि किसान उत्पादक संगठन (FPOs) केवल सामूहिकता के मंच नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण परिवर्तन के सशक्त संस्थान हैं, जो छोटे किसानों को तकनीक, ज्ञान, वित्त और निष्पक्ष बाजारों से जोड़ते हैं। अपने सदस्य एफपीओ नेटवर्क के माध्यम से हम सतत आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने, बाजार तक पहुंच बढ़ाने और किसानों को आजीविका से उद्यमिता की ओर अग्रसर करने के अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज जो प्रगति दिखाई दे रही है, वह इसलिए संभव हो पाई है क्योंकि किसान प्रयोग करने के लिए तैयार हैं, संस्थान सहयोग करने के लिए आगे आ रहे हैं और साझेदार समावेशी विकास में निवेश कर रहे हैं।

हमें आशा है कि यह संस्करण सतत कृषि और किसान-नेतृत्व वाले विकास की शक्ति में आपका विश्वास और मजबूत करेगा।
आइए, हम सब मिलकर मजबूत संस्थानों, स्वस्थ कृषि प्रणालियों और समृद्ध ग्रामीण समुदायों की दिशा में आगे बढ़ें।

शुभकामनाओं सहित

डॉ सुरेश मोटवानी
महाप्रबंधक, सॉलिडरीडाड

नीति एवं एड्वोकसी

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन पर राज्य स्तरीय बैठक में भरतखंड की सहभागिता
भरतखंड किसान उत्पादक कन्सॉर्श्यम ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF) पर आयोजित राज्य स्तरीय बैठक में भाग लेते हुए मध्यप्रदेश में बाज़ार-आधारित प्राकृतिक खेती पारिस्थितिकी तंत्र एवं सतत आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए अपनी मत साझा किया।

- भरतखंड नेटवर्क में 200 से अधिक सदस्य एफपीओ
- भरतखंड नेटवर्क में 200 से अधिक सदस्य एफपीओ
- बैठक में विभिन्न राज्यों एवं हितधारकों का बहु-स्तरीय समन्वय

बैठक में उपस्थित हितधारक

- कृषि विभाग
- अनुसंधान संस्थान
- किसान उत्पादक संगठन (FPOs)
- निजी क्षेत्र एवं बाज़ार से जुड़े प्रतिनिधि

भरतखंड द्वारा प्रस्तुत प्रमुख बिंदु

• बाज़ार प्रणाली की दृष्टि
ऐसी मांग-आधारित पारिस्थितिकी प्रणालियों के निर्माण की रणनीतियाँ, जो प्राकृतिक खेती उत्पादों के लिए किसानों को बेहतर मूल्य सुनिश्चित करें।

• आपूर्ति श्रृंखला विकास
प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर अपनाने हेतु संग्रहण प्रणाली, ट्रेसबिलिटी तंत्र एवं प्रत्यक्ष बाज़ार संपर्कों का विकास।

• संस्थागत खरीदारों से जुड़ाव
प्राकृतिक खेती क्लस्टरों को प्रोसेसरों एवं सतत सोर्सिंग पहलों से जोड़ने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण।

• एफपीओ नेटवर्क की शक्ति का उपयोग
200 से अधिक सदस्य एफपीओ एवं आपूर्ति श्रृंखला साझेदारियों के माध्यम से जमीनी स्तर पर समन्वय एवं अभिसरण को बढ़ावा देना।

भरतखंड की प्रतिबद्धता

भरतखंड ने राज्य सरकार को तकनीकी मार्गदर्शन, एफपीओ सशक्तिकरण, संग्रहण सहयोग एवं बाज़ार संपर्क सुविधा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, ताकि प्राकृतिक खेती राज्य के छोटे किसानों के लिए एक सतत एवं आर्थिक रूप से व्यवहार्य मॉडल बन सके।

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण
ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों का प्रशिक्षण
खरीफ सीजन 2026-27 , कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), देवास

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, देवास में एक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को प्राकृतिक खेती की आपूर्ति श्रृंखलाओं तथा खरीफ 2026-27 हेतु राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन – तिलहन (NMEO-OS) के प्रभावी क्रियान्वयन संबंधी जानकारी प्रदान करना था।

उद्घाटन सत्र के प्रमुख वक्ता

- **श्री गोपेश पाठक, उप संचालक कृषि, देवास**
- **डॉ. आर.पी. शर्मा, प्रमुख, केवीके देवास**
- **डॉ. संजय गुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक, पादप प्रजनन, ICAR-IISR इंदौर**
- **डॉ. विशाल थोराट, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ICAR-IISR इंदौर**
- **डॉ. राघवेंद्र, वैज्ञानिक (एग्रोनॉमी), ICAR-IISR इंदौर**
- **श्री हिमांशु बैस, सॉलिडरीडाड एवं भरतखंड**

तकनीकी सत्र

जैविक एवं प्राकृतिक खेती हेतु पोषक तत्व प्रबंधन

- संतुलित पोषक तत्व उपयोग, जैव-आधारित इनपुट्स तथा संसाधन-कुशल तरीकों पर व्यावहारिक जानकारी साझा की गई, जिससे सतत कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिल सके।

सोयाबीन की उन्नत किस्में एवं उनकी विशेषताएँ

- खरीफ 2026-27 के लिए उच्च उत्पादकता एवं जलवायु-अनुकूल सोयाबीन किस्मों तथा उन्नत कृषि पद्धतियों पर जानकारी दी गई।
- दोनों तकनीकी सत्र ICAR-IISR इंदौर के वैज्ञानिकों द्वारा संचालित किए गए, जिनमें प्राकृतिक खेती आधारित उपायों के माध्यम से पर्यावरणीय प्रभाव कम करते हुए फसल उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

“प्राकृतिक खेती क्लस्टरों से प्राप्त उत्पादों के लिए संगठित वैल्यू चेन विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि उन्हें संस्थागत खरीदारों, प्रोसेसरों एवं सतत सोर्सिंग पहलों से जोड़ा जा सके।”
- डॉ.आर.पी. शर्मा, प्रमुख, केवीके देवास

भरतखंड ने प्राकृतिक खेती क्लस्टरों से जुड़े किसानों के लिए संग्रहण, आपूर्ति श्रृंखला विकास एवं बाज़ार संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने में सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, जिससे उत्पादन और बाज़ार के बीच एक मजबूत सेतु तैयार हो सके।

भरतखंड की भूमिका
इस कार्यक्रम ने अनुसंधान संस्थानों, शासकीय विभागों, एफपीओ तथा बाज़ार से जुड़े हितधारकों के बीच समन्वय की आवश्यकता को पुनः रेखांकित किया।
भरतखंड, अपने 200+ सदस्य एफपीओ नेटवर्क के माध्यम से, तकनीकी मार्गदर्शन, संग्रहण सहयोग एवं बाज़ार संपर्क सुविधा प्रदान कर देवास जिले एवं अन्य क्षेत्रों में सतत कृषि को मजबूत बनाने हेतु प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम एवं साझेदारी

आईआईटी इंदौर, भरतखंड एवं सॉलिडरीडाड द्वारा “एग्रीहब वर्कशॉप” का आयोजन

आईआईटी इंदौर की एग्रीहब वर्कशॉप श्रृंखला का पाँचवाँ संस्करण, भरतखंड और सॉलिडरीडाड के सहयोग से आयोजित किया गया। इस आयोजन में अकादमिक संस्थान, सरकारी विभाग, उद्योग जगत, एफपीओ तथा एग्री-टेक स्टार्टअप्स को एक मंच पर लाकर डीप एग्रीटेक अपनाने और किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को सशक्त बनाने पर चर्चा की गई।

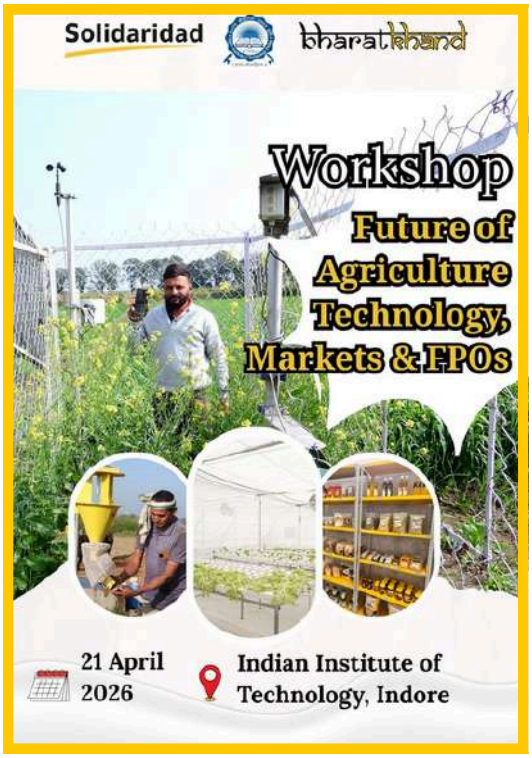

- प्रमुख आँकड़े
- एग्रीहब वर्कशॉप श्रृंखला का 5वाँ संस्करण
- 2 विशेषज्ञ पैनल चर्चाएँ आयोजित
- 12 से अधिक उद्योग एवं संस्थागत भागीदारों की सहभागिता

उद्घाटन सत्र के प्रमुख वक्ता

- प्रो. सुहास एस. जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर
- डॉ. के.एच. सिंह, निदेशक, ICAR-NSRI
- डॉ. सुरेश मोटवानी, महाप्रबंधक, सॉलिडरीडाड
- प्रो. अरुणा तिवारी, प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर, एग्रीहब आईआईटी इंदौर

“अनुसंधान संस्थानों और किसानों के बीच की खाई को कम करने के लिए स्केलेबल सेवा-आधारित मॉडल और मजबूत बाज़ार प्रणालियाँ आवश्यक हैं। इस श्रृंखला में एफपीओ एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।”

- डॉ. सुरेश मोटवानी, महाप्रबंधक, सॉलिडरीडाड

डीप एग्रीटेक पहलें प्रदर्शित

- फसल सुधार एवं बीज विकास हेतु जीनोमिक विज़ुअलाइज़ेशन टूल्स
- एआई एवं IoT आधारित फसल सलाह प्रणाली (रीयल-टाइम निर्णय)
- सतत जल उपयोग हेतु भूजल प्रबंधन समाधान
- मृदा सूक्ष्मजीव विश्लेषण तकनीकें (सटीक पोषक तत्व प्रबंधन हेतु)

पैनल चर्चाएँ

• एआई, एमएल एवं डीप टेक द्वारा एफपीओ सशक्तिकरण

डिजिटल तकनीकों, एआई, एमएल एवं डिजीहब प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से एफपीओ को उत्पादन योजना, सलाह सेवाएँ, एग्रीगेशन, ट्रेसबिलिटी, वित्तीय समावेशन एवं बाज़ार सूचना में कैसे सशक्त किया जा सकता है, पर चर्चा हुई। छोटे किसानों तक तकनीक की पहुँच सुनिश्चित करने हेतु किसान-केंद्रित एवं किफायती समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

• निजी आपूर्ति श्रृंखलाएँ एवं सतत बाज़ार संपर्क

एग्रीबिज़नेस कंपनियों, बाज़ार प्रतिनिधियों एवं टेक्नोलॉजी प्रदाताओं ने खरीद प्रणाली, गुणवत्ता आश्वासन, ट्रेसबिलिटी तथा एफपीओ सहयोग के अवसरों पर चर्चा की, विशेषकर उन उत्पादों के लिए जिनकी मांग सतत एवं ट्रेसएबल सप्लाई चेन में बढ़ रही है।

प्रमुख हितधारक

- कारगिल एविएग्री
- सोपा (SOPA)
- मदर डेयरी
- बायर
- एमपी सीड प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन
- इंदौर एग्री-टेक
- ICAR-CIAE
- ICAR-IISS
- भरतखंड
- सदस्य एफपीओ

भरतखंड की प्रदर्शनी सहभागिता

भरतखंड ने प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से अपने एफपीओ मॉडल, पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट किट्स तथा अन्य किसान-केंद्रित नवाचारों का प्रदर्शन किया। यह दर्शाया गया कि किस प्रकार संस्थागत सशक्तिकरण और बाज़ार एकीकरण मिलकर छोटे किसानों के लिए एक सुदृढ़ एवं लचीला कृषि पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर सकते हैं।

भरतखंड, रबी 2025-26

राजस्थान के किसान अब सीधे उत्पाद बेचते हैं और अपनी मेहनत का पूरा फल पाते हैं
राजस्थान के बूंदी जिले में आयोजित पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से सरसों उगाने वाले किसानों ने अपने किसान समूहों के ज़रिए सीधे खरीदारों को फसल विक्रय की, जानिए क्या हुआ।
साझेदार -Solidaridad, AWL, Solvent Extractors' Association of India
Rs. 80–100- प्रति क्विंटल अतिरिक्त कमाई सिर्फ बिचौलियों को हटाने और ढुलाई का खर्च कम करने से।

हमने क्या किया - सरल शब्दों में

1.MP, राजस्थान और हरियाणा में 3,000 मॉडल खेत तैयार किए गए। यहाँ किसानों ने सरसों की खेती प्राकृतिक तरीकों से की, कम रसायन, बेहतर मिट्टी की देखभाल।

2.किसान समूहों (FPOs) ने मिलकर फसल एकत्रित की और बेची। हर किसान अकेले मंडी जाने की बजाय, सबने मिलकर अपनी उपज जमा की और बेहतर सौदा किया।

3.AWL ने सीधे किसान समूहों से सरसों खरीदी। बीच में कोई श्रृंखला नहीं, खेत से सीधे प्रोसेसर तक का वैल्यू चैन।

4.किसानों को सही दाम और समय पर भुगतान मिला। वज़न वैज्ञानिक तरीके से हुआ, गुणवत्ता की जाँच पारदर्शी रही, और भुगतान में कोई छुपी कटौती नहीं।

किसानों ने अपने खेतों में क्या बदला

कम रासायनिक खाद, प्राकृतिक इनपुट का उपयोग, बेहतर मिट्टी का स्वास्थ्य, फसल अवशेष का सही प्रबंधन

भविष्य की योजना

यह पायलट सफल रहा। अब भरतखंड, Solidaridad और उनके साझेदार MP और राजस्थान के और अधिक गाँवों में सरसों व सोयाबीन किसानों के लिए यही मॉडल अपनाना चाहते हैं जहाँ अधिक किसान समूह अपने संग्रह केंद्र चलाएं और अधिक कंपनियाँ सीधे उनसे खरीदारी ।

फील्ड अपडेट - भरतखंड

ITC और रेतम FPO की बैठक गेहूं की सीधी खरीद की दिशा में एक बड़ा कदम
रेतम में ITC एग्री बिज़नेस टीम और रेतम किसान उत्पादक संगठन (FPO) के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें किसानों से सीधे गेहूं खरीदने की संभावनाएं तलाशी गईं।
खरीदार - ITC एग्री बिज़नेस
किसान प्रतिनिधि- रेतम FPO
फसल- गेहूं

बैठक में क्या-क्या हुई चर्चा

- गेहूं की गुणवत्ता की आवश्यकताएं और ITC के खरीद मानक
- FPO के ज़रिए फसल एकत्रीकरण की प्रक्रिया
- किसानों को मिलने वाला उचित मूल्य और मूल्य निर्धारण का तरीका
- ढुलाई और लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था
- खरीद की समय-सीमा और कार्यक्रम
- रेटम FPO की उत्पादन क्षमता और किसान नेटवर्क की जानकारी

परिणाम
आपसी सहमति
दोनों पक्षों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी ताकि किसानों को बेहतर बाज़ार, उचित दाम और एक सुव्यवस्थित आपूर्ति श्रृंखला मिल सके।

सफलता की कहानी

विष्णु गुर्जर घाटे से उठकर बने किसान-उद्यमी

कुंडलाखुर्द, आगर-मालवा, समरथ किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड

कुंडलाखुर्द गाँव के युवा किसान विष्णु गुर्जर ने कभी नहीं सोचा था कि मुंबई में हुआ 2 लाख रुपये का नुकसान उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख बन जाएगा। समर्थ किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सदस्य श्री मान सिंह गुर्जर के पुत्र विष्णु बचपन से खेती-किसानी के माहौल में पले-बढ़े। आज वे न केवल अपने खेतों में आधुनिक खेती कर रहे हैं, बल्कि देश की प्रमुख मंडियों तक संतरे की सीधी सप्लाई करने वाले किसानों के नेटवर्क का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

उपलब्धियाँ एक नजर में

- 1,000 से अधिक संतरे के पौधों का प्रबंधन
- स्वयं के 4 बीघा बगीचे में 450 से अधिक पौधे
- पुणे, मुंबई सहित 4 बड़े महानगरीय बाजारों तक सीधी पहुँच

यात्रा

तीन चरण जिन्होंने बदल दी पूरी दिशा

पहले: पारंपरिक खेती तक सीमित

विष्णु पारंपरिक तरीके से सोयाबीन और गेहूं की खेती करते थे। रासायनिक उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भरता, बाजार की सीमित जानकारी और कम लाभ उनकी खेती की प्रमुख चुनौतियाँ थीं। वे वही कर रहे थे जो पीढ़ियों से उनके परिवार में होता आया था।

बदलाव की शुरुआत: एफपीओ और प्रशिक्षण का सहयोग

सॉलिडरीडाड और समर्थ एफपीओ के माध्यम से विष्णु को प्रशिक्षण, एक्सपोज़र विजिट और खेत प्रदर्शन कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला। उन्होंने बीबीएफ बुवाई तकनीक, जैविक इनपुट, उन्नत बीज किस्मों को अपनाया और ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग तथा इंटरक्रॉपिंग जैसी आधुनिक तकनीकों पर काम शुरू किया।

आज: बाजार से जुड़ा सफल कृषिप्रेन्योर

आज विष्णु 1,000 संतरे के पौधों का प्रबंधन कर रहे हैं। वे सीधे पुणे और मुंबई की मंडियों में संतरे भेजते हैं तथा आसपास के किसानों की उपज को एकत्र कर सामूहिक विपणन भी करते हैं। उन्होंने बिचौलियों की भूमिका समाप्त कर अपने समुदाय के लिए वैल्यू चेन फैसिलिटेटर की भूमिका निभाई है।

“मुंबई में हुआ 2 लाख रुपये का पहला नुकसान मेरी असफलता नहीं, बल्कि मेरी सीख थी। वहीं से मैंने ग्रेडिंग, साइज़िंग और साइकिल हार्वेस्टिंग को समझा। आज मैं जो भी संतरा बेचता हूँ, उसमें उस अनुभव की सीख शामिल होती है।”

– विष्णु गुर्जर, कुंडलाखुर्द, आगर मालवा

नई रणनीति

शुरुआत में विष्णु अपने संतरे बिचौलियों के माध्यम से बेचते थे, जहाँ कीमत तय करने और लाभ कमाने का नियंत्रण दूसरों के हाथ में था। बाजार को गहराई से समझने के लिए उन्होंने मुंबई, पुणे, दिल्ली और बेंगलुरु की थोक मंडियों का दौरा किया। वहाँ उन्होंने ग्रेडिंग मानक, आकार के अनुसार मूल्य निर्धारण और मौसमी मांग के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

मुंबई में पहली बार सीधे बिक्री करने पर उन्हें लगभग 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ। लेकिन हार मानने के बजाय उन्होंने इसे सीख में बदला। उन्होंने एक साथ पूरी फसल तोड़ने की बजाय 15–20 दिनों के अंतराल पर साइकिल हार्वेस्टिंग मॉडल अपनाया, जिससे फल सही आकार और गुणवत्ता में बाजार तक पहुँचे और बेहतर कीमत मिलने लगी।

परिणाम जो खुद कहानी कहते हैं

लागत में कमी
जैव-खाद और वैज्ञानिक पोषण से रासायनिक खर्च घटा

उत्पादकता बढ़ी
सोयाबीन, गेहूं और बागवानी — तीनों में सुधार

प्रेरणा
दूसरे किसानों को आधुनिक खेती अपनाने की राह दिखाई
साथ देने वाले साझेदार

सीधी बिक्री
बिचौलिया हटा, आमदनी बढ़ी, बड़े शहरों तक पहुँच

विशेषज्ञता
ग्रेडिंग, चक्र-आधारित तुड़ाई और वैल्यू चेन की समझ

किसान नेटवर्क
पड़ोसी किसानों का माल भी एकत्र कर साथ बेचते हैं

प्रगति के पीछे मजबूत साझेदारी

विष्णु की इस परिवर्तनकारी यात्रा में भरतखंड, सॉलिडरीडाड और समर्थ किसान प्रोड्यूसर कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। क्षमता निर्माण, एक्सपोज़र विजिट, खेत प्रदर्शन और बाजार संपर्क जैसी पहलों ने विष्णु को वह ज्ञान, संसाधन और आत्मविश्वास दिया, जिसने उन्हें एक पारंपरिक किसान से सफल कृषिप्रेन्योर बनने की दिशा दिखाई।

संपर्क

Bharatkhand Hub Zonal Offices

Bhopal	Bharatkhand Consortium of Farmers Producer Company Limited. D/67, BDA Colony, Kohefiza, Bhopal, Madhya Pradesh - 462001	Mr. Himanshu Bains +91 9009923816 Ms. Anvesha Singh +91 9406779242
Sehore	H.N- 619, Near Nalanda School, Chanakyapuri Sehore Madhya Pradesh 466001	Ms. Namrita Bhanweriya +91 9644195248
Mandsour	HIG-17, Gandhi Nagar, Mandsaur Madhya Pradesh- 458001	Mr. Arvind Patidar +91 7566652686
Dewas	Bharatkhand Hub 48, Ram Nagar, Dewas Madhya Pradesh- 455001	Ms. Purva Wadwekar +91 9171251979
Tarana	H.No. 30 Krishna Kunj Vihar Colony Rupakhedi Road Tarana, Ujjain, Madhya Pradesh- 456665	Mr. Sandeep Mishra +91 9450707018